2016

HINDI

(Major)

Paper : 3.1

(Adhunik Hindi Kavyadhara ka Itihas)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) ब्रह्मसमाज की स्थापना किसने की थी?

(ख) 'कविवचनसुधा' के सम्पादक का नाम लिखिए।

(ग) 'सरस्वती' का प्रथम प्रकाशन कब हुआ था?

(घ) प्रेमघन का पूरा नाम लिखिए।

(ङ) खड़ीबोली में लिखा गया प्रथम महाकाव्य का नाम लिखिए।

(च) मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित रामकाव्य का क्या नाम है?

(छ) 'कामायनी' महाकाव्य का प्रकाशन कब हुआ था?

(ज) 'अनामिका' के रचयिता कौन हैं?

(झ) प्रयोगवाद के प्रवर्तक कौन हैं?

(ञ) 'कनुप्रिया' के रचनाकार का नाम लिखिए।

2. अति संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'आधुनिक' शब्द की व्याख्या कीजिए।

(ख) भारतेन्दु हरिश्चंद्र की चार काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

(ग) मैथिलीशरण गुप्त की दो काव्यिक विशेषताएँ लिखिए।

(घ) सुमित्रानंदन पंत की कविताओं की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) 'प्रेम और मस्ती का काव्य' से आप क्या समझते हैं?

3. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 5×4=20

(क) भारतेन्दु युग की काव्यिक विशेषताओं के बारे में लिखिए।

(ख) 'साकेत' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) हालावादी कवि हरिवंश राय 'बच्चन' के बारे में टिप्पणी लिखिए।

(घ) कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) अज्ञेय के अनुसार 'प्रयोग' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(च) 'नयी कविता' का मुख्य स्वर क्या है? स्पष्ट कीजिए।

4. आधुनिक काल का सीमांकन करते हुए उसके नामकरण के औचित्य पर विचार कीजिए। 10

अथवा

आधुनिक काल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

5. द्विवेदीयुगीन काव्यधारा की प्रवृत्तियों का आकलन कीजिए। 10

अथवा

द्विवेदीयुगीन प्रमुख कवियों के योगदान की चर्चा कीजिए।

6. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा के किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए। 10

अथवा

छायावादी कवियों में जयशंकर प्रसाद का स्थान निर्धारित कीजिए।

7. प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रवृत्तियों के बारे में लिखिए। 10

अथवा

साठोत्तरी कविता की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

★★★